



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 497]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 2, 1982/कार्तिक 11, 1904

No. 497]

NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 2, 1982/KARTIKA 11, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन की रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 2 नवम्बर, 1982

का० भा० 772 (अ)/18 कक/आई० डी० भार० ए०/82-...
केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951
(1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) द्वारा प्रवर्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार ने भूतपूर्व औद्योगिक विकास
मंत्रालय के आदेश सं० का० भा० 695 (अ)/18 कक/आई० डी० भार० ए०
72, तारीख 3 नवम्बर, 1972 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्रबन्ध
ग्रहण आदेश कहा गया है) भारत के औद्योगिक पुनर्गठन निगम लिमिटेड,
कलकत्ता को, मैसर्स गणेश फ्लोर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, दिल्ली (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त उपक्रम कहा गया है) नामक औद्योगिक उपक्रम
का 2 नवम्बर, 1977 तक पांच वर्ष की अवधि के लिए जिसमें यह
तारीख भी सम्मिलित है, प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था ;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय होने पर कि लोकहित में यह
समीचीन है कि भारत सरकार के औद्योगिक विकास विभाग के आदेश सं०
का० भा० 743 (अ) तारीख 1 नवम्बर, 1977 का० भा० 830 (अ)
तारीख 2 नवम्बर 1979, का० भा० 873 (अ), तारीख
1 नवम्बर, 1980, का० भा० 331 (अ), तारीख 2 मई, 1981
का० भा० 784 (अ), तारीख 2 नवम्बर 1981 और का० भा० 293 (अ)
तारीख 1 मई, 1982 द्वारा प्रबन्ध ग्रहण आदेश की अवधि 2 नवम्बर,
1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी है ;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन
है कि प्रबन्ध ग्रहण आदेश 2 मई, 1983 तक की अवधि के लिए जिसमें
यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रभावी बना रहे ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम
1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) के साथ
पठित उपधारा (1) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश
देती है कि प्रबन्ध ग्रहण आदेश 2 मई, 1983 तक की अवधि के लिए
जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रभावी बना रहेगा और यह भी
निदेश देती है कि उक्त उपक्रम का प्रबन्ध इस आदेश के पैरा 2 में

निर्दिष्ट प्रबंध बोर्ड द्वारा निम्नलिखित निबन्धनों और शर्तों के अधीन रहते हुए किया जाएगा, अर्थात्:—

- (i) प्रबंध बोर्ड समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए सभी निदेशों का पालन करेगा;
- (ii) बोर्ड 2 मई 1982 तक, जिसमें यह तरीका भी सम्मिलित है, पदस्थ रहेगा;
- (iii) केन्द्रीय सरकार, यदि ऐसा करना आवश्यक समझती है तो उक्त प्रबंध बोर्ड या प्रबंध बोर्ड के किसी सदस्य की नियुक्ति को बिना कोई कारण बताए 2 मई 1983 से पूर्व समाप्त कर सकती है।

2. प्रबंध बोर्ड निम्नलिखित व्यक्तियों से मिलकर बनेगा, अर्थात्:—

अध्यक्ष एवं मुख्य अधिशासक

1. श्री एन० एम० शेटी, गणेश फ्लोर मिल्स कंपनी लिमिटेड, सब्जी मंडी, दिल्ली।

सदस्य

2. मुख्य निदेशक, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय, नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नई दिल्ली,
3. सेखा नियंत्रक, नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नई दिल्ली
4. सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार, खाद्य और नागरिक पूर्ति विभाग, लखनऊ
5. सचिव, पंजाब सरकार, खाद्य और पूर्ति विभाग, चण्डीगढ़
6. ग्रुप अधिशासक (खाद्य तेल) भारतीय राज्य व्यापार नियम, चन्द्रलोक, 36 जनपथ नई दिल्ली
7. संयुक्त सचिव, भारत सरकार, औद्योगिक विकास विभाग, नई दिल्ली
8. उप मुख्य अधिशासक गणेश फ्लोर मिल्स कंपनी लिमिटेड, सब्जी मंडी, दिल्ली

[फा० सं० 4(6)/80 सी० यू० एस०]
ए० पी० सरवान, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 2nd November, 1982

S.O. 772(E)/18AA/IDRA/82.—Whereas by the order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 695(E)/18AA/IDRA/72 dated the 3rd November, 1972 (hereinafter referred to as the taking over of management order), the Central Government had, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), authorised the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta, to take over the management of the Industrial undertaking known as Messrs Ganesh Flour Mills Company Limited, Delhi (hereinafter referred to as the said undertaking) for a period of five years upto and inclusive of the 2nd day of November, 1977;

And, whereas, by the orders of the Government of India in the Department of Industrial Development Nos. S.O. 743(E), dated the 1st November, 1977, S.O. 630(E), dated the 2nd November, 1979, S.O. 873(E), dated the 1st November, 1980, S.O. 331(E), dated the 2nd May, 1981, S.O. 784(E), dated 2nd November, 1981 and S.O. 293(E), dated the 1st May, 1982, the Central Government being of the opinion that it is expedient in the public interest has extended the period of the taking over of management order upto and inclusive of the 2nd November, 1982;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the taking over of management order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 2nd May, 1983;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the taking over of management order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 2nd May, 1983, and that the said undertaking shall be managed by the Board of Management referred to in paragraph 2 of this order subject to the following terms and conditions:—

- (i) the Board of Management shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government;
- (ii) the Board shall hold office upto and inclusive of the 2nd May, 1983;
- (iii) the Central Government may terminate, without assigning any reason, the appointment of the said Board of Management, or any member thereof, earlier than the 2nd day of May, 1983, if the Central Government considers necessary so to do.

2. The Board of Management shall consist of the following persons namely:—

CHAIRMAN-CUM-CHIEF EXECUTIVE

1. Shri N. M. Shetty, Ganesh Flour Mills Company Limited, Subzi Mandi, Delhi.

MEMBERS

2. Chief Director, Directorate of Vanaspathi Vegetable oils and Fats, Ministry of Civil Supplies, New Delhi.
3. Controller of Accounts, Ministry of Civil Supplies, New Delhi.
4. Secretary to the Government of Uttar Pradesh, Food and Civil Supplies Department, Lucknow.
5. Secretary to the Government of Punjab, Food and Supplies Department, Chandigarh.
6. Group Executive (Edible Oils), State Trading Corporation of India Limited, Chandralok, 36-Janpath, New Delhi.
7. Joint Secretary to the Government of India, Department of Industrial Development, New Delhi; and
8. Deputy Chief Executive, Ganesh Flour Mills Company Limited, Subzi Mandi, Delhi.

[F. No. 4(6)/80-CUS]
A. P. SARWAN, Jr. Secy.